

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

समस्त भक्तानां प्रिये श्री कृष्णाय नमः

II-335

श्री कृष्णाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अष्टवर्गमय ॥ ० ॥
द्विजया दार्ष ॥ ॥ भावस्या क जलदव
द्विजया दार्ष नाज पिजा इयू ग्य क थ व र न
० यू वय विल्ला वा स जाय व प् क व ह या
विका ज थ सी का सी म द्ध न ॥ ॥ धि

कनसुवञ्चादिङ्गासुसवथम् अविवा
दाष्टं वक्रपितृत्राय प्यासवाडा हिवा
विकारदमिवा यकादमि अंगवालन लोय
वृत्तवाथया दवगागने सुमादां काल समसा
न कृन्नालिमाहा दव गिह दवगा वालस

शिवयथंगकुलक शानिहनिनिडडि नक
पुया ल लंश्वयासुनियसकायना यिथम्
लिङ्गिनिदिमा नशाल लोय अंगल गृह
अभिदिमाया विकार ० वा दाका लंग नम
लजादयकं कलसा लविनायक यथा यः

सां विचगस्य चाभि नयडा ॥ रिममनया न
 यडा ॥ गयलया नवलिया न १ मदीरनया
 नवालेया न १ दयकयडा ॥ दयासुनियस नान
 दगम लयादा इवनद्वगमलसयडा २ सममानस
 कलथयाडादु इवदि सायादा इवहाकमकहा
 वसथानुगमावी समनचायाडादुवानसमयकल

ममवलिया न १॥ अगमस्यं चामनयूजा थनि
 मालथ ॥ ० ॥ अथ हाने चा लोचन ॥ लगनयिन
 कच्छा यिज तव का स्या क थन स्या क लगन
 वथा ज क्रया दा इव न मवशा ना इव ॥ ० ॥ स्या
 न या द व का नो दि मदा दव कि डि व पाने हन ना

ग. क. ल. सा. ल. र्मा. ग. ह. नि. नि. क. क्कालि. म. हा. यि. थ.
 हा. लि. स. म. सा. ने. सा. क. व. ज. ल. र्मा. या. सि. ध. म. ने. दि.
 न्या. दि. सा. न. या. दा. इ. व. न. च. दु. धि. दा. दा. सि. आ. दि. न्य.
 वा. ल. ला. य. न. लो. ग. र्मा. ०. ॥ थ. या. सा. नि. ष. ल. दा. न.
 सि. व. यू. जा. नी. यू. जा. ध. लि. दा. द. य. कं. क. क्का. दि.

ॐ क ना ४ सी नूग नयन सक संछाय
मात्र यिथ स व विद्यात १ सम सा न स व वि
यात १ क स हो ध व हा द यो नू हा नि ग म ल द
द स व लि या न १ ध ल स य ऊ १ ह्या दि न्य स उ या न
म न वि य मा ल न दि न दि सा न अ ग न लो हा थ ने

ॐ न सी ल थ वा ० वा व इ व स हा गं वा हा चि का
लू नि १० न्या दि नू ग ल थ थ म्या क ला डा
या के पि दा वा न स इ व या ना का ल की म द या
डा क य ऊ या डा सी न ग ० वा व इ व या द
व ना न क यि सा च म क नू ग ऊ सा लि ह

लडा लघु न स वे थ इम कि थ यि अ नि सा ल म
व म ड व ल चा डी वा न लो ग यि सा च या ऊ क
या दी इ व ॥ ० ॥ थ या द व ना यि थ स लि हा ल
कि ऊ क नि यि म हा का स च म ड ह न य न
ऊ च भा ला ॥ ० ॥ दे व ना कृ ण स नी दे व ना सु व

न मि य न्य मा स नि च च वा ल ग्र ह दे व ना वा य वे
दि सा आ ग न ली ठा ॥ ० ॥ थ या स नि कृ ण या व
स व लि या न १ ॥ ५ ॥ ध म ल लं ड व न ड य क र री नू
ग ल च स र ड ड म ल या ल या न व वि या न १ हा ल
कि ऊ क नि या का लि म्मा च या न य वा कृ १ ॥ ५ ॥

किंवा थू याडा, बु कि वि चा स क लू थ या डा हि ला
मा स म्मा दा क ठे के ला ला, क या पि १ न स ये दो
२ का सं न थ, चा म्मा दा स य्वा स हा का ल य्वा द ग लि
३ स य च्छ म्म न म्म न या ५ द य क य्वा इ व सि स य्ज
४ १ थ नि स ल थ ॥ ० ॥ ५ थ म्म डे या ली ग वा सी

क सं जा य ल य् मि ड वा स्या क डी य्वा जिं न ड
य्वा जा म न म्म ल या वि का ल वे लं स ये थ ना ग
या दी इ व द् क ह वा न थ गु दो नौ २ चा मि क च्छ
डी यि, द न ये न, द न्म क क्का लि, गो म लिं ग,
म हा दे व उ गु दि सा न्म य्वा न ली ग, द नि य्वा द

१ नमः श्री वरुण प्रसा
उ नमान च या य

१५५५५५ ५५ ५५५ ५५५५५ ५५५५५

५५५-५

५५५५५५५५

समिन्नुकवालथनयादोडवन ० ॥ ५॥ अथा
सागिहनुमन्कयानमधिदुदयकंमनविसे
यूजाकुमादियानरुजा १ केना ४ स क्रयद्य
संयजा ५ ॥ ५ ॥ ससवलियान १ ५ इवलिमयूजा ५ इव
सिसयूजा १ कलडवसजा लयमालमहादेवया

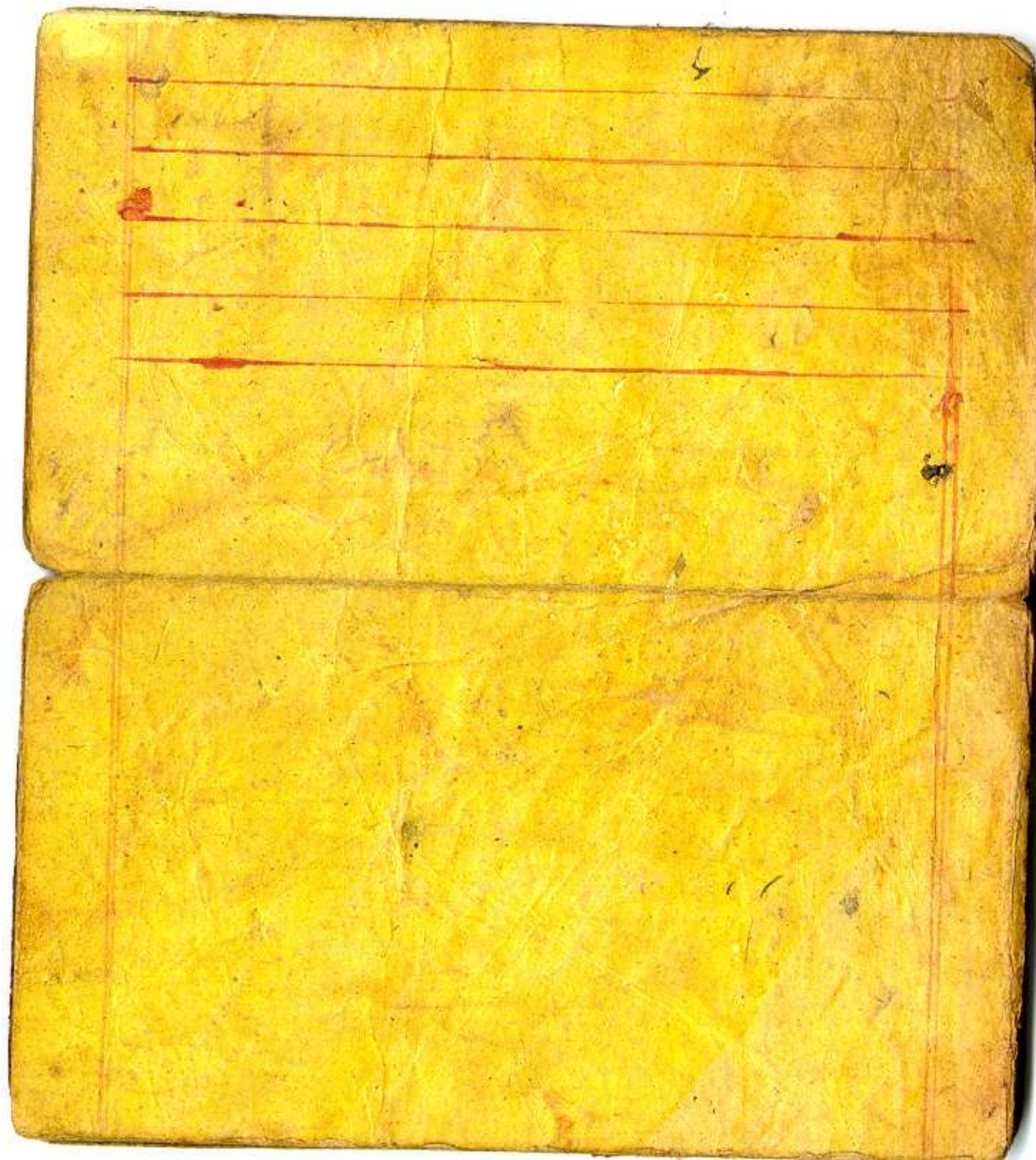
नयचैममनदयकंयूजाउचिथं ६ निडीकाल
गनेसयानदामालंगनगलजादयकंलिने
केकयूजा ॥ ० ॥ ५ ॥ अथ ५ ॥ क्रयालोठावाजनिन
॥ ५ ॥ लसदुदययूमीसीजीयुविद्वयाहयदयू
॥ ० ॥ मेवडीविवादेकयुनिवेकोवाकननशकोव

अथ नागयादी उव द ॥ ० ॥ धृ क्रु या दे ना
क्रु या ल म हा का ल विक्रु सी ने ल न च दि ह ग व
नि क कालि नं दि के स ल ० ० क दे व ना ग्राम लि
ग जे ल धा ला स म सा ने दे व ना क्रु थ ने ना ग व
० सा ने प्र क मि भू मा वा सि ० ह दे व ना ला ह सां

नि ॥ ० वा स म सा न स क १ जा कि जा थ या डी स
क मा हा क म कं य जा या ना डी न य क ल धी य क
ल ना स दे डी या न य के य दा ल य जा दि इ व य
मा ल सा मा स च य मा ल क कालि स ह जा क ना
४ स क य धा ला य य मा ल दि नि स य क १ इ व

सि ही न था सयूज १ कृष्णया लस वलिया न १ ग न्य
 सयूजा कृ सवलिविचमा लया न थ म ही का लयूजा
 ॐ हो सि मा द हो डे वे ल दू कृ सि दू धु ल नि डे वे ले दू
 वलिय न १ ० सा ने दि सा जा ग न लो गं ॥ ० ॥
 ० अथ म धा न या लो ग ॥ अ ल य की तु नि स द डी

दी ड व न द म न च के ल अ ल सि डी य थं द नि डी
 डी यि डी न म वा यि डी मे व न म डू या यि डी व
 लि डी वि वा द र य द डी हा वि कं न म स जा य
 ल य लो ग ॥ ० ॥ म धा न या दे व न जा ग न न स
 प्र था न र ० ल व स म सान कृ कालि ग्री द





५५
वववि
वववि
५५

यज्ञा ॥ स्त्रीविज्ञाग ॥ तिलपात्र ले
यज्ञा ॥ नैकुरय ॥ मृत् ॥ कुरु मा, ले
पल त्वधन नास ॥ यद्रूपति
॥ २२ धन हानि ॥ पिथ कालि यज्ञ

॥

५॥८॥

१८४ कथं भाष्या ॥ स्वर्गोत्पत्तिः

२७ पञ्चमः ॥ महाकाल

४ निष्पुटिका नगरक सगल कन

२ पू. ग. वि. का. ग. ॥ मु. द. म. स. प्र. द. न.

अथ तत्रागव। नमो न दलि

८ विष्णुगिकयह ॥ दिग्युष्ठा

नृपवासमृक्ख॥ स्वर्गदान

१२२५५२११

नमो

245

१ सां क सं गा ष ॥ अ ३ दा

अधननास॥अगर्गकडा

४भा गि॥ १५ नयषू वलि

४ कार्यनास ॥ माहादेव

॥ श्रीकनह ॥ द्वायाकल

८ भक्त एय, नृप ॥ कल

समाकर्मिणाय॥ कलस्ववा

१०० कलकल कलकल

१२ क त ह ॥ लं व का अ व

१ वृद्ध

१ एयधनहानि ॥ आर्गि पूजा
३ भाकधननास ॥ दिगु पूजा
४ स्त्रीकलह ॥ लंछका दा
॥ स्त्री विज्ञाग ॥ आर्गि पूजा
५ मिखास्या ॥ वृध नार्गि पूजा
१२ गफ्रय ॥ विवाहा इ इ नुस

लं दी

१ दहस्पति

१ वृद्धिहानि ॥ धनरक्त ॥ पाथ गच्छी १ मृष्टय ॥ पाथ
३ विरुक्त ॥ धृष्ट देव पूजा २ धन नाग ॥ कवगुसा द
४ भास्या वै ध दय ॥ गुरुपति दी ४ वृध विज्ञाग ॥ कलपा
५ मफ्रय ॥ म्मास काप लं दी ४ पूग विज्ञाग ॥ सा जान

क

१ न

८ हानि मिए ॥ गलस दिगु
१० स्खानचात्र ॥ गलस दिगु
१२ सैगाप भास्या ॥ म्मास व

१ मृष्ट

१ भागिश्य ॥ सन कप
१ स्त्रीकनह ॥ गुरुपति
१० धनहानि ॥ डाह दान

हानि

शुभादित्यसति

१ भागि ॥ मावासादी

२ दुयलानि ॥ यिन

४ भागि ॥ यिल

५ धननास ॥ लस्त

१ पतभाग ॥ यरुपनि

८ भक्त एय ॥ मावासा

९ भक्त एय ॥ सुयविक्

१० भूभृह ॥ निलपाग

२ भास

२ भाज एय ॥ गरुपनिदी

४ गाभष तभाग ॥ सैषदी

५ वावि ॥ गरुपनिदी

८ मिखास्या ॥ चयविद्वद
तपतभाग ॥ रुलेवन
१२ धनलानि ॥ रुले

३ गमन

१ भागि ॥ मावा ॥ रुका

२ भा एय ॥ ५ सापुका

३ भा मिद्व ॥ वाकुमिद्व

४ भा नाभोडा ॥ नभयडा

५ मिद्व ॥ वाकुयान

६ भा एय ॥ मिद्व ॥ इवलाव

७ भा भाग ॥ वाकुदान

८ मिद्व ॥ वाकु ॥ वाकु